

आदेश पत्रक - ता०.....से.....तक
जिला....., सं०....., सन् १९.....
केस का प्रकार.....

आदेश की क्रम संख्या कीस तारीख १	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर २	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित ३
	<p style="text-align: center;">न्यायालय आयुक्त कोशी प्रमंडल, सहरसा</p> <p style="text-align: center;">भूमि विवाद अपील वाद संख्या: 455/2012</p> <p style="text-align: center;">मो० शकुन्तला देवी — अपीलार्थी वनाम राज्य एवं अन्य — रेस्पोंडेन्ट्स</p> <p style="text-align: center;">—:आदेश:—</p> <p>प्रस्तुत अपील वाद अपीलार्थी द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता, मधेशपुरा, द्वारा पारित आदेश दिनांक: 12.05.2012ई० अन्दर भूमि विवाद वाद संख्या: 48/2012 के विरुद्ध खिलाफ रेस्पोंडेन्ट्स के दायर किया गया है। वाद पुकारा गया। उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुना एवं अभिलेख पर रक्षित कागजात का अवलाकन किया।</p> <p>प्रस्तुत अपील वाद में प्रश्नगत भूमि मौजा: सिंहेश्वर, अंचल: सिंहेश्वर, खाता पु०: 73 खेसरा, पु०: 729, नया: 306, नया: 824, खाता पुराना 60, नया: 33, खेसरा नया: 727, 728, नया खेसरा: 826/1211 रकबा 10 धूर चौहदी उ०: सुभाष राम, द०: सुनील राम वो संतोष राम पु०: रामजानकी ठाकुरबाड़ी प०: सड़क भूमि है।</p> <p>अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में कथन करते हैं कि प्रश्नगत भूमि का बंटवारा नहीं हुआ है। रेस्पोंडेन्ट द्वितीय पक्ष /वादी के द्वारा खरीदगी जमीन अपीलार्थी/ विपक्षी को नशा की गोली खिलाकर कराया गया है। विपक्षी के अपीलार्थी/विपक्षी के पुत्र संजय राम ने कभी भी इस तरह का कार्य नहीं किया</p> <p>अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में आगे यह भी कथन करते हैं कि समान पक्षकार एवं उपर्युक्त भूमि से संबंधित व्यवहार न्यायालय में टाईटिल सूट लंबित है अतएवं भूमि सुधार उप समाहर्ता, के न्यायालय में उक्त वाद मेनटेनेबुल नहीं था।</p> <p>अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में आगे यह भी कथन करते हैं कि टाईटिल सूट में रेस्पोंडेन्ट संख्या 2 के भेन्डर द्वारा दाखिल लिखित जवाब में यह कहा गया है कि उनके द्वारा किसी भी प्रकार का केवाला दस्तावेज क्रियान्वित नहीं किया गया है बल्कि कर्ज लेते समय उनके हस्ताक्षर लिये गये।</p>	

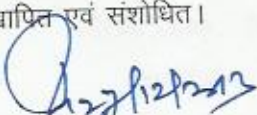


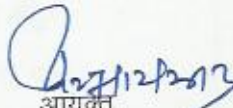
अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में आगे यह भी कथन करते हैं कि अपीलार्थी प्रश्नगत विवादी भूमि पर शांतिपूर्वक दखल रहा हैं।

अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में आगे यह भी कथन करते हैं कि रेस्पोंडेन्ट संख्या- 2 के विरुद्ध आपराधिक वाद लंबित है जो कि रेस्पोंडेन्ट के तथाकथित भेन्डर संजय राम के द्वारा दायर किया गया है।

रेस्पोंडेन्ट/वादी के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में कथन करते हैं कि अंदर प्रश्नगत जमीन उन्होंने संजय राम, पिता: भीखन राम से खरीदा है। संजय राम को प्रश्नगत जमीन बंटवारे से प्राप्त थी, जिसपर सभी पक्षों के हस्ताक्षर हैं तथा इसे संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। रेस्पोंडेन्ट द्वितीय पक्ष/वादी सुधा देवी को प्रश्नगत जमीन की जमाबंदी उनके नाम से है तथा वर्ष 2010 एवं 2011 तक की मालगुजारी रसीद उन्होंने कटाया है।

उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुना तथा अभिलेख पर रक्षित कागजात का सुक्ष्म अवलोकन किया पाया कि अपीलार्थी अपना दावा इस न्यायालय में साबित करने में असफल रहे हैं। अस्तु अपील खारिज। इसी के साथ वाद निस्तारित किया जाता है।
लेखापित एवं संशोधित।


आयुक्त,
कोशी प्रमंडल, सहरसा


आयुक्त,
कोशी प्रमंडल, सहरसा